महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विश्वविद्यालय में 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' पर हुई कार्यशाला
किसान, बैंक के प्रतिनिधि, कृषि विभाग की सहभागिता

वर्धा, 13 फरवरी 2024: 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रक्रिया क्रियान्वयन एवं सामाजिक विकास में योगदान : महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र का अनुभवजन्य अध्ययन' विषय पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के वर्धा समाज कार्य संस्थान द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से प्राप्त लघु अवधि शोध परियोजना की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में एक कार्यशाला का आयोजन 11 फरवरी को श्यामा प्रसाद मुखर्जी अकादमिक भवन के दत्तोपंत ठेंगडी सभागार में किया गया। कार्यशाला में विदर्भ क्षेत्र के इस योजना के हितधारक उपस्थित रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शोध परियोजना द्वारा

जुटाए गए आंकड़ों एवं विश्लेषण का विभिन्न हितधारकों के बीच चर्चा एवं उनके मंतव्य को शोध में शामिल करना था। कार्यशाला में बैंक ऑफ़ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक एवं ग्रामीण बैंक के प्रतिनिधि, फसल बीमा योजना के बीमा नोडल एजेंसी आईसीआईसीआई लोंबार्ड के शाखा प्रबंधक, जिला कृषि विभाग के जिला कृषि अधिकारी, कृषि सहायक आदि सहित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ ले रहे किसान, सरपंच, जिला परिषद के सदस्य, विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठों के शिक्षक भी सहभागी हुए। कार्यशाला में किसानों ने फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन एवं उनकी चुनौतियों पर अपनी बात रखी। बैंक के अधिकारियों एवं बीमा एजेंसी के प्रतिनिधियों ने योजना के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के सांख्यिकी विभाग के आचार्य प्रोफेसर रमन पथ ने सांख्यिकी आंकड़ों की गुणवत्ता एवं उसके महत्व को समझाया। वर्धा समाज कार्य संस्थान के निदेशक एवं शोध परियोजना के शोध निदेशक प्रो. बंशीधर पांडे ने परियोजना के उद्देश्य एवं महत्ता पर विस्तार से बात रखी। वर्धा समाज कार्य संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के सहायक आचार्य एवं परियोजना के सह निदेशक डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी ने प्राप्त आंकड़ों के हवाले से प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय के सह आचार्य एवं परियोजना के सहनिदेशक डॉ. शंभू जोशी ने शोध की गुणवत्ता एवं विभिन्न हितधारकों के

मंतव्य को विस्तार से सूचीबद्ध किया। वर्धा समाज कार्य संस्थान के सहायक आचार्य एवं योजना के सह निदेशक डॉ. शिव सिंह बघेल ने अपने क्षेत्र कार्य अनुभवों एवं वस्तुस्थिति का बारीकी से विश्लेषण किया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शोधार्थी एवं शोध कार्य से जुड़े शोध सहायक उपस्थित हुए।

हिंदी विश्वविद्यालयात 'प्रधानमंत्री पीक वीमा योजना' वर कार्यशाळा
शेतकरी, बँकेचे प्रतिनिधी, कृषि विभागाचा सहभाग

वर्धा, 13 फरवरी 2024: 'प्रधानमंत्री पीक वीमा योजनेची प्रक्रिया, कार्यान्वयन व सामाजिक विकासात योगदान : महाराष्ट्रातील विदर्भ क्षेत्राचे अनुभवाधारित अध्ययन' या विषयावर महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील वर्धा समाज कार्य संस्थानच्या वतीने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नवी दिल्लीच्या वित्तीय सहकार्यातून एक लघु अवधीचा शोध प्रकल्प राबविण्यात येत असून यासंबंधी एक कार्यशाळा 11 फेब्रुवारी रोजी श्यामा प्रसाद मुखर्जी अकादमिक भवनातील दत्तोपंत ठेंगडी सभागृहात घेण्यात आली. कार्यशाळेत विदर्भातील शेतकरी, बँकांचे प्रतिनिधि, कृषि विभागाचे कर्मचारी उपस्थित होते. कार्यशाळेत बँक ऑफ इंडिया, पंजाब नॅशनल बँक आणि ग्रामीण बँकेचे प्रतिनिधी, पीक विमा योजनेची विमा नोडल एजन्सी आयसीआयसीआय लोम्बार्डचे शाखा व्यवस्थापक, जिल्हा कृषी विभागाचे जिल्हा कृषी अधिकारी, कृषी सहायक आदींसह पंतप्रधान पीक विमा योजनेचा लाभ घेणारे शेतकरी, सरपंच, जिल्हा परिषद सदस्य, विश्वविद्यालयातील विविध विभागाचे शिक्षक सहभागी झाले. कार्यशाळेत शेतकऱ्यांनी पीक विमा योजनेची अंमलबजावणी आणि त्यातील आव्हाने यावर आपले विचार मांडले. बँकेचे अधिकारी व विमा संस्थेच्या प्रतिनिधींनी योजनेच्या विविध तांत्रिक बाबींवर मार्गदर्शन केले. कार्यशाळेत विषयतज्ज्ञ म्हणून महात्मा गांधी काशी विश्वविद्यालयाच्या सांख्यिकी विभागाचे प्राध्यापक रमण पथ यांनी सांख्यिकी माहितीचा दर्जा व त्याचे महत्त्व विषद केले. वर्धा समाजकार्य संस्थानचे निदेशक व शोध प्रकल्पाचे संचालक प्रो. बंशीधर पांडे यांनी प्रकल्पाचे उद्दिष्ट व महत्त्व याविषयी सविस्तरपणे सांगितले. वर्धा समाज कार्य संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराजचे सहायक आचार्य व परियोजनाचे सह निदेशक डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी यांनी प्राप्त आकडेवारीचा हवाला देत सादरीकरण केले. विश्वविद्यालयाच्या दूरशिक्षण संचालनालयाचे सहायक प्राध्यापक आणि प्रकल्पाचे सहसंचालक डॉ. शंभू जोशी यांनी संशोधनाचा दर्जा आणि विविध भागधारकांच्या हेतूंची तपशीलवार यादी सादर केली. वर्धा समाज कार्य संस्थानचे सहायक प्राध्यापक आणि योजनेचे सह-संचालक डॉ. शिवसिंह बघेल यांनी कामाचे अनुभव आणि वास्तविक परिस्थितीचे तपशीलवार विश्लेषण केले. या कार्यशाळेत मोठ्या संख्येने विद्यार्थी, शोधार्थी, शोध कार्याशी निगडीत शोध सहायक उपस्थित होते.